संस्था...

वैयक्तिक विवरण

1. नाम ....
2. जन्म-तिथि..
3. कक्षा ....रक्त समूह...........................
4. एन.एस.एस. में प्रवेश वर्ष ....
5. एन.एस.एस. इकाई क्रं. ....पंजीयन क्रं...............
6. पिता/अभिभावक का नाम ....
7. व्यवसाय ....
8. स्थानीय पता ....
9. दूरभाष ....
10. स्थायी पता ....

विद्यार्थी कार्य डायरी सत्र के अन्त में मूल्यांकन हेतु कार्यक्रम अधिकारी के पास जमा की जावेगी।

हस्ता. कार्यक्रम अधिकारी **हस्ता. स्वयंसेवक**

राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS)

प्रारम्भ -

भारत सरकार द्वारा राष्ट्रपिता महात्मागाँधी के जन्म शताब्दी वर्ष **24 सितम्बर 1969** में राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) इस आशय के साथ प्रारम्भ की गई कि उच्च शिक्षा से जुड़े विद्यार्थियों में सामाजिक दायित्व, चेतना, स्वप्रेरित अनुशासन के साथ श्रम के प्रति सम्मान की भावना उत्पन्न हो । विद्यार्थी अपने रिक्त समय एवं अवकाश का सदुपयोग करने हेतु समाज सेवा करें तथा अपनी शिक्षा की पूर्णता हेतु वास्तविक परिस्थितियों से साक्षात्कार भी कर सकें। जिससे उनके व्यक्तित्व का विकास हो ।

मध्यप्रदेश में सन् 1969 में राष्ट्रीय सेवा योजना सर्वप्रथम प्रदेश के दो विश्वविद्यालयों में शुरू की गई एवं वर्तमान में प्रदेश के सात विश्वविद्यालयों द्वारा इसका संचालन किया जा रहा है साथ ही सन् 1988 में 10 + 2 में राष्ट्रीय सेवा योजना प्रारम्भ की गई । 1990 में मध्यप्रदेश में राष्ट्रीय सेवा योजना का पाठ्यक्रम लागू किया गया जिसमें राष्ट्रीय सेवा योजना के पाठ्यक्रम को ए, बी एवं सी प्रमाण पत्र में विभक्त किया गया ।

संगठन -

भारत सरकार, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा प्रवर्तित यह योजना मध्यप्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग के नियंत्रण में विश्वविद्यालय द्वारा +2 विद्यालय/उच्च शिक्षा, तकनीकी, कृषि, चिकित्सा शिक्षा की संस्थाओं में स्थापित रासेयो इकाइयों के माध्यम से चलाई जाती है ।

राष्ट्रीय संगठनात्मक प्रशासनिक प्रबन्ध

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय (भारत सरकार)
↓
सचिव युवा कार्यक्रम
↓
संयुक्त सचिव, युवा कार्यक्रम
↓
कार्यक्रम सलाहकार (प्रकोष्ठ)
↓
उप/सहायक कार्यक्रम सलाहकार (क्षेत्रीय केन्द्र)
↓
राज्य संगठनात्मक प्रशासनिक प्रबन्ध
↓
उच्च शिक्षा विभाग
↓
प्रमुख सचिव / सचिव
↓
राज्य संपर्क अधिकारी (प्रकोष्ठ)
↓
कार्यक्रम समन्वयक (विश्वविद्यालय प्रकोष्ठ)
↓
जिला संगठक (केवल म.प्र. में लागू)
↓
प्राचार्य/कार्यक्रम अधिकारी
↓
स्वयंसेवक

वित्तीय व्यवस्था :-

योजना के अन्तर्गत गतिविधियों पर होने वाले व्यय की व्यवस्था केन्द्र सरकार एवं राज्य शासन द्वारा 7 : 5 के अनुपात में की जाती हैं । व्यय हेतु वित्तीय ब्यौरा निर्धारित है ।

गतिविधियाँ :-

सामान्यत: एक स्वयंसेवक संस्था परिसर में कम से कम 2 वर्ष तक रह कर गतिविधियों में भाग लेता है । वर्ष भर नगर, अभिगृहीत ग्राम/बस्ती में **नियमित गतिविधि** आयोजित की जाती है । जबकि किसी गाँव में आयोजित **7** दिवसीय पूर्णकालिक शिविर, **विशेष शिविर** होता है । इसके अतिरिक्त आवश्यकतानुसार **दिवा शिविर** भी आयोजित किये जाते हैं ।

राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रमुख विवरण :-

रा.से.यो. (NSS)

राष्ट्रीय सेवा योजना (National Service Scheme)

रा.से.यो. का उद्देश्य

समाज सेवा द्वारा विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का विकास ।

Student personality development through community serivce.

रा.से.यो. का लक्ष्य

शिक्षा द्वारा समाज सेवा एवं समाज सेवा द्वारा शिक्षा।

अभिवादन :-

एन.एस.एस. के सदस्य परस्पर अभिवादन हेतु **''जय हिन्द''** का घोष करते हैं । (केवल म.प्र.) में लागू

सिद्धान्त वाक्य :-

राष्ट्रीय सेवा योजना का सिद्धान्त वाक्य (मोटो) - **'मैं नहीं आप (नाहं वै भवान्)** (Not Me But You) – यह सिद्धान्त वाक्य **वसुधैव कुटुम्बकम्** का सार बताता है, निःस्वार्थ सेवा की आवश्यकता का समर्थन करता है कि हम दूसरे के दृष्टिकोण की सराहना करने वाले बनें तथा प्राणी मात्र के लिये सहानुभूति रखें । इस तरह यह एक सर्वधर्म सम्भाव राष्ट्र से युक्त (प्रजातान्त्रिक) समाज के निर्माण का लक्ष्य प्रस्तुत करता है ।

रा.से.यो. का (विषय थीम) :-

एन.एस.एस. की नियमित एवं विशेष शिविर गतिविधियों में कार्य हेतु वर्ष 2014-15 के लिये विषय थीम **''स्वास्थ्य-जन स्वच्छता एवं व्यक्तिगत स्वास्थ्य''** निर्धारित की गई है ।

प्रेरणा पुरुष :-

मानव सेवा एवं युवा चेतना के प्रतीक **स्वामी विवेकानन्द** जी को राष्ट्रीय सेवा योजना का प्रेरणा पुरुष मान्य किया गया है । स्वामी विवेकानन्द जी को वर्ष 1985 अन्तर्राष्ट्रीय युवा वर्ष के अन्तर्गत भारत सरकार ने युवाओं का प्रतीक पुरुष मान्य किया तबसे ही राष्ट्रीय सेवा योजना में उन्हें प्रेरणा पुरुष के रूप में मान्य किया ।

रा. से. यो. का प्रतीक चिन्ह

राष्ट्रीय सेवा योजना का प्रतीक चिह्न उड़ीसा के कोणार्क स्थित सूर्य मन्दिर के रथ के चक्र पर आधारित है । सूर्य मन्दिर के ये विशाल चक्र सृजन, संरक्षण और निर्मुक्ति के आवर्तन को अभिव्यक्त करते हैं तथा काल और स्थान से पूरे जीवन में गति का महत्व बताते हैं । प्रतीक का अभिकल्प (डिजायन) सूर्य रथ के चक्र का सरलीकृत रूप है, मुख्यतः गति को दर्शाता है, यह निरंतरता, समाज में परिवर्तन लाने और उसे उन्नत करने के लिए निरन्तर आगे बढ़ने के लिए प्रयास करने का द्योतक है।

रा. से. यो. का बैज

रा. से. यो. का बैज मूलतः प्रतीक चिन्ह पर आधारित है । जिसमें विभिन्न रंगों का समावेश कर बैज बनाया गया है । प्रतीक का अभिकल्प (डिजायन) सूर्य रथ के चक्र का सरलीकृत रूप है जिसमें प्रत्येक पहिये में 8 तीलियाँ हैं जो 8 प्रहर दर्शाती हैं । इसलिए जो व्यक्ति इस बैज को धारण करता है उसे यह बैज याद दिलाता है कि वह राष्ट्र सेवा कि लिए दिन-रात अर्थात् 24 घण्टे (आठों प्रहर) तत्पर रहे । बैज में जो लाल रंग है वह इस बात का संकेत करता है कि रा. से. यो. के स्वयं सेवकों में पूरा उत्साह है और वे जीवन्त हैं, सक्रिय हैं और उनमें स्फूर्ति है । गहरा नीला रंग उस ब्रह्माण्ड की ओर संकेत करता है जिसका रा. से. यो. एक छोटा सा अंश है और जो मानव मात्र का कल्याण करने के लिए अपना अंशदान करने को तैयार है ।

रा. से. यो स्वयंसेवकों के लिए आचरण संहिता :-

1. सभी रा.से.यो. स्वयंसेवक कार्यक्रम अधिकारी द्वारा नियुक्त किये गये दलनायक के मार्गदर्शन में कार्य करेंगे ।

2. दल/समुदाय के नेतृत्व के लिए वे सहयोग एवं विश्वास के पात्र बनेंगे ।
3. उन्हें हर स्थिति में असामाजिक एवं अस्वच्छ कार्य-कलापों से दूर रहना चाहिए ।
4. वे अपनी दैनन्दिनी गतिविधियों/अनुभवों को इस डायरी में संलग्न पृष्ठों पर अभिलेखित करेंगे और समय-समय पर अवलोकनार्थ प्रस्तुत करेंगे।
5. प्रत्येक स्वयंसेवक को एन.एस.एस. कार्य के समय एन.एस.एस. बैज धारण करना चाहिए ।

रा.से.यो. का उद्देश्य :-

''समाज सेवा के माध्यम से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का विकास'' इसके विशिष्ट उद्देश्य इस प्रकार है —

1. जिस बस्ती/ग्राम/समुदाय में वे कार्य करते हैं, उसे समझना ।
2. बस्ती/ग्राम/समुदाय के परिपेक्ष्य में स्वयं को समझना ।
3. बस्ती/ग्राम/समुदाय की उन समस्याओं एवं आवश्यकताओं की पहचान करना जिनके समाधान में वे सहभागी हो सकते हैं ।
4. सामाजिक दायित्व एवं नागरिक बोध (सिविक सेंस) का विकास करना ।
5. कठिनाईयों के व्यावहारिक निराकरण ढूँढ़ने में शिक्षा एवं ज्ञान को लागू करना । वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास करना ।
6. समूह-जीवन हेतु आवश्यक गुणों का विकास करना ।
7. बस्ती/ग्राम/समुदाय की सहभागिता सक्रिय करने हेतु कौशल ।

8. प्रजातांत्रिक दृष्टिकोण एवं नेतृत्व गुणों का विकास ।
9. संकट एवं प्राकृतिक आपदाओं का सामना करने की क्षमता का विकास।
10. राष्ट्रीय एकता को व्यवहारिक स्वरूप देना ।

दिशा निर्देश :-

एक शैक्षणिक वर्ष में जो 120 घण्टे का सेवा कार्य प्रत्येक स्वयं सेवक से अपेक्षित है, उसमें से प्रथम वर्ष में 20 घण्टे निम्नानुसार दिशा निर्देश कार्यक्रम पर उपयोग में लाये जावें –

सामान्य दिशा निर्देश	**– 02 घण्टे**
विभिन्न दिशा निर्देश	**– 08 घण्टे**
कार्यक्रम की दक्षता का ज्ञान	**– 10 घण्टे**
योग	**– 20 घण्टे**

दिशा निर्देश कार्यक्रम, शिक्षकों, कार्यक्षेत्र के जानकार व्यक्तियों जैसे स्थानीय विकास अधिकारियों, स्वयं-सेवी संस्थाओं तथा सामाजिक कार्य कर्ताओं एवं वरिष्ठ स्वयंसेवकों इत्यादि के सहयोग से विकसित और आयोजित किया जायेगा ।

प्रमाण-पत्र योजना

भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना की नियमित एवं विशेष शिविर गतिविधियों के लिए सुझाए गए 8 कार्यक्षेत्रों को ही इस पाठ्यक्रम का आधार बनाया गया है । प्रमाण-पत्रों की श्रेणीबद्धता विभिन्न स्तर के विद्यार्थियों की क्षमता और रुचि को ध्यान में रखकर की गयी है । प्रत्येक प्रमाण-पत्र के

पाठ्यक्रम में चयनात्मक गतिविधियाँ निर्धारित की गई हैं, जिनमें से प्रत्येक समूह से कम से कम एक गतिविधि स्वयंसेवक की इच्छानुसार चयन की जाएगी, ताकि विद्यार्थी का बहुविधि विकास हो सके । यह ध्यान में रखने की बात है कि एक प्रमाण-पत्र के लिए किया गया गतिविधियों का चयन अगले प्रमाण-पत्र में यथासंभव न किया जाए ।

यद्यपि 'ए' एवं 'बी' श्रेणी के प्रमाण-पत्र के लिए कुल 6 क्षेत्रों से गतिविधियाँ चयन की जाएंगी, तथापि जन साक्षरता में भाग लेने वाले स्वयंसेवकों को यह छूट होगी कि वे चयनात्मक समूहों में से तीन गतिविधियों का ही चयन करें ।

'ए' प्रमाण-पत्र यह प्रमाण-पत्र स्कूल स्तर पर +2 कक्षाओं में अध्ययनरत रासेयो स्वयंसेवकों द्वारा प्रतिवर्ष (नियमित गतिविधि) में 120 घण्टे के हिसाब से 2 वर्ष में 240 घण्टे का पाठ्यक्रमानुसार सेवाकार्य करने के उपरान्त, मूल्यांकन में सफल होकर प्राप्त किया जा सकता है । अनिवार्य गतिविधियों के अतिरिक्त प्रत्येक स्वयंसेवक को भाग-1 के प्रत्येक समूह से कम से कम एक ऐच्छिक गतिविधि का चयन कर कार्य करना होगा । इस प्रकार वह 2 वर्षों में 12 गतिविधियों के क्षेत्रों में कम से कम 240 घण्टे का सेवा कार्य करेगा ।

'बी' प्रमाण-पत्र इस प्रमाण-पत्र के लिए महाविद्यालय/डाइट/पोलीटैक्निक के उपाधि/पत्रोपाधि/सनातकोत्तर पाठ्यक्रम में अध्ययनरत रासेयो स्वयंसेवक कार्य करें । 'ए' प्रमाण-पत्र धारी स्वयंसेवक अनिवार्य गतिविधियों के अतिरिक्त भाग-2 के प्रत्येक समूह में से एक गतिविधि का चयन कर कार्य करेगा और इस प्रकार एक वर्ष में 6 गतिविधियों के क्षेत्र में कार्य करेगा । जो स्वयंसेवक 'ए' प्रमाण-पत्र धारी नहीं हैं वह रासेयो के प्रथम वर्ष में अनिवार्य गतिविधियों के अतिरिक्त भाग-1 के प्रत्येक समूह से एक

गतिविधि का चयन कर कार्य करेगा तथा रासेयो के द्वितीय वर्ष में अनिवार्य गतिविधियों के अतिरिक्त भाग-2 के प्रत्येक समूह से एक गतिविधि का चयन कर कार्य करेगा ।

'सी' प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए स्वयंसेवक को 'बी' प्रमाण-पत्र धारी तथा कम-से-कम एक 7 दिवसीय पूर्ण कालिक शिविर का अनुभव होना आवश्यक है । स्वयंसेवक अनिवार्य गतिविधियों के अतिरिक्त पाठ्यक्रम की चयनात्मक गतिविधियों के प्रत्येक समूह से कम से कम एक गतिविधि पर कार्य करेगा तथा स्वयं के द्वारा किये गए कार्य के अनुभव एवं सामाजिक प्रासंगिकता से सम्बन्धित उसके द्वारा प्रस्तुत विषय पर संस्था की रासेयो सलाहकार समिति द्वारा अनुमोदनोपरान्त, वह 20-30 टंकित पृष्ठों की प्रोजेक्ट-रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा । इसका मूल्यांकन विश्वविद्यालय स्तर पर होगा तथा एक समिति द्वारा स्वयंसेवक का व्यक्तित्व परीक्षण किया जायेगा ।

भाग – 1 'ए' प्रमाण-पत्र

उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों (+2) में दो वर्षों में (240 घण्टे) 'ए' प्रमाण-पत्र के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम –

अनिवार्य गतिविधियाँ :-

1. अभिमुखीकरण – एन.एस.एस. का उद्देश्य और दर्शन कम से कम 4 प्रेरणा गीत, जो समय-समय पर राज्य स्तरीय शिविरों में प्रसारित किये गये हों, का भी चयन किया जा सकता है, जैसे – 'होंगे कामयाब', 'आओ जवान

आओ', 'बदलेंगे तस्वीर गाँव की', 'नौजवान आओ रे', 'करें राष्ट्र निर्माण बनाएँ मिट्टी से अब सोना', 'नवयुग का संदेश', 'उठे समाज के लिए उठें', 'गूँजे गगन में', 'आओ जिन्दगी को उन्नति दें' आदि ।

2. ड्रिल. पी.टी. योग एवं खेल – साधारण ड्रिल-सावधान, विश्राम, दांये मुड़, बाएँ मुड़, दाँये घूम, बायें घूम । तेज चल, सलामी, लाइन तोड़, कम से कम 5 देशी खेल, सम्पूर्ण शरीर के व्यायाम के लिए कुछ पी. टी. तथा योगासन/प्राणायाम, योगासन, ताड़आसन, अर्धकटि चक्र आसन, त्रिकोण आसन, बज्रआसन, गोमुखआसन, शवासन इत्यादि । प्राणायाम – अनुलोम-विलोम, भ्रामरी ।

चयनात्मक गतिविधियाँ :-

1. पर्यावरण संवर्धन एवं संरक्षण, वृक्षारोपण – दो वर्षों में कम से कम 5 पौधे । प्रत्येक स्वयंसेवक कम से कम 2 पौधों की सुरक्षा/अभिग्रहण देखभाल करेगा ।

सोख्ता गड्ढों, खाद के गड्ढों का निर्माण, सड़क और पुलियों का जीर्णोद्धार/मरम्मत/निर्माण करना तथा क्षेत्रीय लोगों को इस कार्य में सहयोगी बनाना/प्रेरित करना ।

संस्था/गोद लिए ग्राम/झुग्गी बस्ती में नालियों, मार्गों की सफाई अभियान

2. शिक्षा – प्रत्येक स्वयंसेवक दो वर्षों में जन साक्षरता के माध्यम से कम से कम 2 निरक्षरों को साक्षर करेगा या विद्यालय छोड़कर जाने वाले छात्रों को विद्यालय जाने के लिए तैयार करेगा अथवा निचली कक्षाओं के छात्रों को अध्ययन में मदद करेगा । प्रत्येक स्वयंसेवक रासेयो गतिविधियों में कम से कम एक गैर रासेयो विद्यार्थी को जोड़ेगा ।

जन साक्षरता कार्यक्रम से जुड़े स्वयंसेवक नव साक्षर/प्रतिभागियों की कम से कम दो बैठकें (सभाएँ) आयोजित करेंगे ।

सामाजिक विषयों पर सामुदायिक चेतना के लिए रैलियों का आयोजन । परिशिष्ट अनुसार रासेयो दिवस/युवा सप्ताह का आयोजन ।

3. स्वास्थ्य परिवार कल्याण एवं पौष्टिक आहार – स्वास्थ्य शिक्षा एवं प्राथमिक उपचार । मरीजों की मदद । पौष्टिक आहार कार्यक्रम एवं पेयजल परियोजनाओं में सहायता, तालाब/झील/कुँओं की सफाई एवं खुदाई, जल शुद्धिकरण कार्यक्रम हेतु प्रेरणा का कार्य करना ।

4.आर्थिक विकास के लिए विविध उत्पादोन्मुखी कार्यक्रम – वैज्ञानिक तरीकों से अन्न भण्डारण, खरपतवार पर नियंत्रण, कृषि यंत्रों के रख-रखाव एवं प्रशिक्षण में मदद, हेंड पम्प का रख-रखाव ।

चूहों एवं कीटों पर नियंत्रण एवं कीटनाशक औषधियों का प्रयोग ।

जन सहयोग से संस्था प्रांगण या समुदाय में स्थायी अस्तियों (Assets) का निर्माण जैसे – साइकिल स्टैण्ड, मंच, पेशाब घर, सामुदायिक भवन, पंचायत भवन आदि ।

भू-रक्षण एवं मिट्टी परीक्षण – नमूने एकत्रित कर वैज्ञानिक विश्लेषण । मिट्टी का उपचार कार्य । (इस हेतु विषय विशेषज्ञों को स्थानीय स्तर पर बुलाया जाए ।)

5. समाज सेवा कार्य – झुग्गीवासियों के लिए कार्य, विभिन्न कार्यों के लिए सर्वेक्षण । वयोबृद्ध, विकलांगों एवं निराश्रितों को मदद । राष्ट्रीय चेतना तथा सामाजिक उत्थान संबंधी चित्रों/वस्तुओं की प्रदर्शनी सहायता, बचाव तथा पुनर्निर्माण कार्यों में शासकीय अधिकारियों की मदद । विपदाग्रस्त लोगों के लिए आवश्यक सामग्री का संकलन तथा दी जाने वाली सामग्री के वितरण में सहायक ।

6. अन्य गतिविधियाँ – क्षेत्र की आवश्यकता एवं प्राथमिकता के आधार पर गतिविधियों का आयोजन ।

ग्राम व झुग्गी बस्तियों का अभिग्रहण

सेवा कार्य की निरन्तरता, मूल्यांकन तथा अनुवर्ती कार्य की गति बनाये रखने के लिए प्रत्येक रासेयो इकाई ग्राम झुग्गी बस्ती को अभिग्रहण करती है। यह कार्य स्थानीय विकास अधिकारियों से विचार-विमर्श करके किया जा सकता है तथापि ऐसा कोई भी क्षेत्र जो विद्यार्थियों की सुविधा जनक पहुँच के भीतर (महाविद्यालय/स्कूल/संस्था से 8 किलोमीटर के भीतर) ही चुना जाता है ।

भाग – 2 'बी' प्रमाण-पत्र

(+3) विद्यालयोत्तर प्रथम वर्ष रासेयो स्वयंसेवकों के लिए 120 घण्टों का पाठ्यक्रम ।

अनिवार्य गतिविधियाँ

1. अभिमुखीकरण – शैक्षणिक कार्यक्रम – जन शिक्षा, साक्षरता कार्यक्रम, पर्यावरण शिक्षा, ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोत ।

आर्थिक विकास संबंधी योजनाएं यथा – आई. आर. डी. पी. ट्रायसेम, एन.आर.ई.पी. आदि।

प्राथमिक चिकित्सा, रेडक्रॉस, रक्तदान, नेत्रदान एवं एड्स के विषय में जागरुकता । नेतृत्व प्रशिक्षण, युवा मण्डल, महिला मण्डल आदि । वन प्राणी संरक्षण । नागरिक बोध, यातायात बोध ।

प्रासंगिक और तात्कालिक सामाजिक समस्याएं । सामुदायिक गीत कम से कम चार प्रेरणास्पद युवा गीत ।

2. उन्नत ड्रिल, पी. टी. योग एवं खेल – साधारण ड्रिल का अभ्यास, कमाण्ड, परेड का संचालन, फाइल फॉर्मेशन, मार्चिंग, सलामी आदि । पी. टी. योग, साधन रहित देशी खेल जैसे – कितने भाई कितने, जाल-मछली, लीडर पकड़, ऐसे-कैसे, रूमाल झपट्टा आदि ।

चयनात्मक गतिविधियाँ

1. पर्यावरण समृद्धि एवं संरक्षण – वृक्षारोपण एवं सुरक्षा ।

पुरातत्वीय स्मारकों, वस्तुओं का संरक्षण एवं सुरक्षा ।

धुंआ रहित चूल्हों का निर्माण, बायोगैस/गोबर गैस संयंत्रों के प्रसार और निर्माण में मदद ।

2. शिक्षा – निरक्षर, नवसाक्षर लोगों तथा शालात्यागी बच्चों के लिए क्रमशः जनकार्यात्मक शिक्षा, औपचारिकेतर शिक्षा जैसे कार्यक्रमों में सक्रियता । समिति द्वारा संचालित रासेयो बुक बैंक के लिए अधिक से अधिक पुस्तकों का संग्रहण ।

ग्राम/झुग्गी-झोंपड़ी/गोद ली गई शाला में छात्र संख्या बढ़ाने के लिए बच्चों और अभिभावकों को प्रेरित करना । सामुदायिक चेतना के लिए रैलियो एवं परिशिष्ट के अनुसार दिवस/सप्ताह का आयोजन ।

3. स्वास्थ्य परिवार कल्याण एवं पोषण आहार –

स्वास्थ्य शिक्षा, स्वास्थ्य परीक्षण एवं टीकाकरण ।

रक्तदान एवं तत्सम्बन्धी शिविर ।

नशाखोरी के विरुद्ध अभियान ।

नेत्र एवं स्वास्थ्य शिविरों में सहायता ।

कुष्ठ रोग के विरुद्ध अभियान तथा कुष्ठ रोगियों की सेवा ।

(इस कार्य हेतु स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों की सहायता प्राप्त की जाए ।)

4. आर्थिक विकास के लिए विविध उत्पादनोन्मुखी कार्यक्रम –

विभिन्न शासकीय योजनाओं के साथ, बैंक-ऋण हितग्राहियों की पहचान और उनके द्वारा लिए गए ऋण के लाभ के परीक्षण हेतु सर्वेक्षण । चूहा एवं कीट नियंत्रण और उर्वरकों का प्रयोग । भू-क्षरण रोकने में सहायता, मिट्टी परीक्षण तथा उपचार । सहकारी संस्थाओं को बढ़ावा देने और उन्हें मजबूत करने में सहयोग । अल्प बचत अभियान में प्रत्येक स्वंय सेवक 4 खाते खुलवाने में सहयोग व जागरुक करेगा।

5. समाज सेवा के अन्य कार्य – युवक मण्डल एवं महिला मण्डलों के गठन में सहयोग ।

आपदाग्रस्त लोगों की सहायता एवं बचाव कार्य में अधिकारियों की मदद। सामाजिक बुराइयों यथा बालविवाह, दहेजप्रथा अत्यधिक खर्चीलेपन के निवारण के लिए समूह बैठकों एवं परिचर्चाओं का आयोजन । सामूहिक विवाहों के लिए जागरुकता पैदा करना । वैज्ञानिक दृष्टि का प्रचार-प्रसार, भारतीयता का गौरव, जनतांत्रिक व सर्वधर्म समभाव मूल्य, भारतीय संस्कृति एवं धरोहरों के संरक्षण के कार्य ।

6. अन्य गतिविधियाँ – क्षेत्र की आवश्यकता एवं प्राथमिकता के आधार पर गतिविधियों का आयोजन ।

'सी' प्रमाण-पत्र

अनिवार्य गतिविधियाँ :-

1. अभिमुखीकरण (अभिविन्यास) – 'ए' और 'बी' प्रमाण-पत्र के लिए कार्यरत स्वयंसेवकों के अभिमुखीकरण कार्यक्रम में (स्वयं की या अन्य संस्थाओं) निर्धारित विषयों पर कम से कम 20 घण्टों की सक्रिय भागीदारी ।

2. ड्रिल, पी. टी. योग और खेल – परेड संचालन, योग, पी.टी. और देशी खेलों का (रासेयो स्वयं सेवकों के लिए) संचालन ।

3. प्रोजेक्ट रिपोर्ट – स्वयं किये गये कार्य की सामाजिक प्रासंगिकता से सम्बन्धित विषय पर 20-30 टंकित पृष्ठों की प्रोजेक्ट रिपोर्ट विश्व विद्यालय को प्रस्तुत करना ।

4. कार्यक्रम संयोजन – 7 दिवसीय रासेयो शिविर के आयोजन और इकाई की गतिविधियों में कार्यक्रम अधिकारी की सहायता ।

चयनात्मक गतिविधियाँ :-

1. पर्यावरण समृद्धि एवं संरक्षण – सोख्ता/खाद के गड्ढों, बायोगैस/ऊर्जा, संयंत्रों का प्रदर्शन । वृक्षारोपण कार्य का प्रदर्शन फल, वन एवं पथ वृक्षों के बारे में पर्याप्त जानकारी अपेक्षित 'ए' और 'बी' प्रमाण-पत्र वाले रासेयो स्वयंसेवकों द्वारा संचित वृक्षों/पौधों की रक्षा एवं उसका हिसाब (वन क्षेत्र में रोपित पौधों को छोड़कर) ऊर्जा के वैकल्पित स्रोतों का सक्रिय प्रदर्शन । वन्य जीवन संरक्षण-जागरुकता अभियान में भागीदारी ।

2. शिक्षा – क्रियात्मक जन शिक्षा एवं अन्य साक्षरता कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी तथा पर्यवेक्षण ।

रासेयो बुक बैंक को समृद्ध करना तथा संग्रहण द्वारा कम से कम दो पुस्तकों का योगदान, जरूरतमन्द छात्रों को पुस्तक प्रदाय में मदद ।

संस्था द्वारा गोष्ठियों, भित्तिचित्र, नाटक मॉक पार्लियामेंट, प्रश्नोत्तरी आदि का आयोजन ।

सामुदायिक चेतना के लिए रैलियों का आयोजन एवं परिशिष्ट के अनुसार दिवस/सप्ताह का आयोजन ।

3. स्वास्थ्य शिक्षा, परिवार कल्याण एवं पोषण आहार – स्वास्थ्य परीक्षण एवं टीकाकरण कार्यक्रमों का आयोजन ।

रक्तदान शिविरों का आयोजन/भागीदारी ।

एड्स एवं कुष्ठरोग विरोधी अभियान एवं कुष्ठरोगियों की सेवा । नशा विरोधी अभियान चलाना और वातावरण तैयार करना ।

4. आर्थिक विकास के लिए विविध उत्पादोन्मुखी कार्यक्रम – रोजगार मूलक तथा विकासात्मक कार्यों के लिए सर्वेक्षणों में मार्गदर्शन एवं पर्यवेक्षण, आर्थिक, सामाजिक, स्वास्थ्य एवं अन्य कार्यक्रमों से संबंधित विषयों पर विशेषज्ञों/संदर्भ व्यक्तियों के व्याख्यानों का आयोजन करना । सहकारिता की उन्नति और मजबूती के लिए कार्य ।

स्वसहायता समूहों के गठन एवं संचालन में सहयोग

5. समाज सेवा के अन्य कार्य – कम से कम एक महिला मण्डल/युवा मण्डल के निर्माण में सहायता । संस्था परिसर का सफाई अभियान ।

आपदा-प्रबंधन (डिजेस्टर मैनेजमेंट) संबंधी गतिविधियों एवं बचाव कार्यों में आवश्यकतानुसार मदद । भारतीय संस्कृति एवं राष्ट्रीय धरोहर/स्मारक का अनुरक्षण । पंचायती राज के बारे में जागरुकता ।

6. जल संरक्षण एवं प्रबंधन, स्वास्थ्य व स्वच्छता की जागरुकता के कार्य में सक्रिय भागीदारों एवं प्रेरणा का कार्य करना ।

7. अन्य गतिविधियाँ – क्षेत्र की आवश्यकता एवं प्राथमिकता के आधार पर गतिविधियों का आयोजन ।

सामाजिक चेतना हेतु महत्वपूर्ण सप्ताह एवं दिवस

12 जनवरी	:	राष्ट्रीय युवा दिवस
12 से 19 जनवरी	:	राष्ट्रीय युवा सप्ताह
26 जनवरी	:	गणतन्त्र दिवस
8 मार्च	:	विश्व महिला दिवस
7 अप्रैल	:	विश्व स्वास्थ्य दिवस
14 अप्रैल	:	अग्निरोधक दिवस
31 मई	:	तम्बाकू निरोध दिवस
5 जून	:	विश्व पर्यावरण दिवस
8 अगस्त	:	स्वतंत्रता आन्दोलन दिवस
12 अगस्त	:	विश्व युवा दिवस
15 अगस्त	:	स्वतन्त्रता दिवस
20 अगस्त	:	सद्भावना दिवस
1 से 7 सितम्बर	:	पोषण आहार सप्ताह

सामाजिक चेतना हेतु महत्वपूर्ण सप्ताह एवं दिवस

8 सितम्बर	:	विश्व साक्षरता दिवस
21 सितम्बर	:	विश्व अल्जाइमर्स दिवस
24 सितम्बर	:	**एन.एस.एस. दिवस**
1 अक्टूबर	:	स्वैच्छिक रक्तदान दिवस
2 अक्टूबर	:	गांधी जयन्ती
2 से 8 अक्टूबर	:	वन्य प्राणी संरक्षण सप्ताह
24 से 30 अक्टूबर	:	यातायात-सप्ताह
19 से 25 नवम्बर	:	कौमी एकता सप्ताह
25 नवम्बर से 1 दिसम्बर	:	विश्व एड्स जागरुकता सप्ताह
1 दिसम्बर	:	विश्व एड्स जागरुकता दिवस
5 दिसम्बर	:	विश्व स्वसंसेवक दिवस
10 दिसम्बर	:	विश्व मानवाधिकार दिवस

कार्य अभिलेख (नियमित गतिविधियाँ)

तिथि	स्थान	कार्य विवरण, घण्टे

कार्य अभिलेख (नियमित गतिविधियाँ)

तिथि	स्थान	कार्य विवरण, घण्टे

कार्य अभिलेख (नियमित गतिविधियाँ)

तिथि	स्थान	कार्य विवरण, घण्टे

कार्य अभिलेख (नियमित गतिविधियाँ)

तिथि	स्थान	कार्य विवरण, घण्टे

कार्य अभिलेख (नियमित गतिविधियाँ)

तिथि	स्थान	कार्य विवरण, घण्टे

कार्य अभिलेख (नियमित गतिविधियाँ)

तिथि	स्थान	कार्य विवरण, घण्टे

कार्य अभिलेख (नियमित गतिविधियाँ)

तिथि	स्थान	कार्य विवरण, घण्टे

कार्य अभिलेख (नियमित गतिविधियाँ)

तिथि	स्थान	कार्य विवरण, घण्टे

कार्य अभिलेख (नियमित गतिविधियाँ)

तिथि	स्थान	कार्य विवरण, घण्टे

कार्य अभिलेख (नियमित गतिविधियाँ)

तिथि	स्थान	कार्य विवरण, घण्टे

कार्य अभिलेख (नियमित गतिविधियाँ)

तिथि	स्थान	कार्य विवरण, घण्टे

कार्य अभिलेख (नियमित गतिविधियाँ)

तिथि	स्थान	कार्य विवरण, घण्टे

कार्य अभिलेख (नियमित गतिविधियाँ)

तिथि	स्थान	कार्य विवरण, घण्टे

कार्य अभिलेख (नियमित गतिविधियाँ)

तिथि	स्थान	कार्य विवरण, घण्टे

कार्य अभिलेख (नियमित गतिविधियाँ)

तिथि	स्थान	कार्य विवरण, घण्टे

कार्य अभिलेख (नियमित गतिविधियाँ)

तिथि	स्थान	कार्य विवरण, घण्टे

कार्य अभिलेख (नियमित गतिविधियाँ)

तिथि	स्थान	कार्य विवरण, घण्टे

कार्य अभिलेख (नियमित गतिविधियाँ)

तिथि	स्थान	कार्य विवरण, घण्टे

शिविर की (आदर्श दिनचर्या)

6.00 बजे सुबह	:	जागरण
6.00 बजे से 6.45 सुबह	:	नित्यकर्म
6.45 बजे से 7.15 सुबह	:	प्रार्थना तथा योग/पी.टी. व्यायाम
7.15 बजे से 7.45 सुबह	:	नास्ता, चाय
8.00 बजे से 12.00 सुबह	:	परियोजना कार्य
12.30 बजे से 1.30 दोपहर	:	स्नान, भोजन
1.30 बजे से 2.30 दोपहर	:	विश्राम, स्वाध्याय
2.30 बजे से 4.15 दोपहर	:	बौद्धिक कार्यक्रम
4.15 बजे से 4.30 दोपहर	:	चाय
4.30 बजे से 6.00 शाम	:	खेलकूद
6.00 बजे से 7.00 शाम	:	ग्राम सम्पर्क
7.00 बजे से 7.30 रात्रि	:	समितियों की बैठक एवं कार्यों का मूल्यांकन/संकलन
7.30 बजे से 8.00 रात्रि	:	भोजन
8.00 बजे से 10.00 रात्रि	:	सांस्कृतिक कार्यक्रम/डायरी लेखन
10.00 बजे	:	रात्रि शयन

समय एवं परिस्थितियों के अनुसार शिविरार्थियों की सहमति से दिनचर्या में बदलाव किया जा सकता है। शिविर स्थल पर इसका प्रदर्शन अनिवार्य है।

कार्य अभिलेख (डे-कैम्प)

तिथि एवं स्थान	कार्य विवरण, घण्टे

कार्य अभिलेख (विशेष शिविर) ग्राम..........

प्रथम दिवस तिथि...........	
द्वितीय दिवस तिथि...........	
तृतीय दिवस तिथि...........	
चतुर्थ दिवस तिथि...........	

राष्ट्रीय सेवा योजना - लक्ष्य गीत (अनिवार्य)

उठें समाज के लिए उठें-उठें
जगें स्वराष्ट्र के लिए जगें-जगें
स्वयं सजें वसुन्धरा संवार दें-2
हम उठें, उठेगा जग हमारे संग साथियों
हम बढ़ें, तो सब बढ़ेंगे अपने आप साथियों
जमीं पे आसमान को उतार दें
जमीं पे आसमान को उतार दें
स्वयं सजें वसुन्धरा संवार दें-2
उदासियों को दूर कर, खुशी को बांटते चलें
गाँव और शहर की दूरियों को पाटते चलें
ज्ञान को प्रचार दें प्रसार दें
विज्ञान को प्रचार दें प्रसार दें
स्वयं सजें वसुन्धरा संवार दें-2
समर्थ बाल वृद्ध और नारियाँ रहें सदा
हरे भरे वनों की शाल ओढ़ती रहे धरा
तरक्कियों की एक नई कतार दें
तरक्कियों की एक नई कतार दें
स्वयं सजें वसुन्धरा संवार दें-2
ये जाति धर्म बोलियाँ बने न शूल राह की
बढ़ाएँ बेल प्रेम की अखंडता की चाह की
भावना से ये चमन निखार दें
सद्भावना से ये चमन निखार दें
स्वयं सजें वसुन्धरा संवार दें-2
उठें समाज के लिए उठें-उठें
उठें समाज के लिए उठें-उठें
जगें स्वराष्ट्र के लिए जगें-जगें
स्वयं सजें वसुन्धरा संवार दें-2

कार्य अभिलेख (विशेष शिविर) ग्राम..........

पंचम दिवस तिथि...........	
षष्टम दिवस तिथि...........	
सप्तम दिवस तिथि...........	
विशेष	

होंगे कामयाब

होंगे कामयाब, होंगे कामयाब
हम होंगे कामयाब, एक दिन ऽ ऽ ऽ
ओ ! मन में है विश्वास, पूरा है विश्वास,
हम होंगे कामयाब, एक दिन
हम चलेंगे साथ-साथ, होंगे हाथों में हाथ,
हम चलेंगे साथ-साथ एक दिन
ओ ! मन में है विश्वास, पूरा है विश्वास
हम होंगे कामयाब एक दिन
होगी शांति चारों ओर, होगी शांति चारों ओर
होगी शांति चारों ओर, एक दिन
ओ ! मन में है विश्वास, पूरा है विश्वास
हम होंगे कामयाब एक दिन
सत् से होंगे आजाद, सत् से होंगे आजाद,
सत् से होंगे आजाद, एक दिन
ओ ! मन में है विश्वास, पूरा है विश्वास
हम होंगे कामयाब एक दिन
हमें डर नहीं है आज, हमें डर नहीं है आज,
हमें डर नहीं है आज के दिन
ओ ! मन में है विश्वास, पूरा है विश्वास
होंगे कामयाब एक दिनऽऽऽ

अनुवादक - गिरिजा कुमार माथुर

We shall Overcome,
We shall Overcome,
We shall Overcome Some day,
O ! deep in my heart,
I do believe that
We shall Overcome Some day,
We'll walk hand in hand
We'll walk hand in hand
We'll walk hand in hand some day
O ! deep in my heart,
I do believe that
We shall overcome, some day
We shall live in peace,
We shall live in peace,
O ! deep in my heart,
I do believe that
We shall Overcome, Some day,
We are not afraid
We are not afraid.
We are not afraid today.
O ! deep in my heart,
I do believe that
We shall overcome, some day
The truth will make us free
The truth will make us free
The truth will make us free, some day
O ! deep in my heart, I do believe that
We shall overcome, some day

नौजवान आओ रे .... (आह्वान गीत)

नौजवान आओ रे, नौजवान गाओ रे ।
लो कदम मिलाओ रे, लो कदम बढ़ाओ रे ।।
नौजवान...............
ऐ वतन के नौजवान, इस चमन के बागवान ।
एक साथ बढ़ चलो, मुश्किलों से लड़ चलो ।।
इस महान देश को नया बनाओ रे ।।
नौजवान...............
धर्म की दुहाइयाँ, प्रान्त की जुदाइयाँ ।
भाषा की लड़ाइयाँ, पाट दो ये खाइयाँ ।।
एक माँ के लाल सब, एक निशाँ उड़ाओ रे ।।
नौजवान...............
एक बनो, नेक बनो, खुद की भाग्यरेख बनो ।
सदगुणों के तुम हो लाल, तुमसे ये जगत निहाल ।
शान्ति के लिए मशाल, जहाँ को तुम जगाओ रे ।।
नौजवान...............
माँ निहारती तुम्हें, माँ पुकारती तुम्हें ।
श्रम के गीत गाते जाओ, हँसते मुस्कराते जाओ ।
कोटि-कोटि कण्ठ मिल, एकता के गान गाओ रे ।
नौजवान...............

- बालकवि बैरागी

राष्ट्रीय युवा गीत

आओ जिन्दगी को उन्नति दें, शान्ति दें ।
आओ जिन्दगी को, एक नई हम जिन्दगी दें ।
आओ सजायें, देश विशाल ।
आओ चलें हम ले के मशाल ।
आओ हर नगर को, हर गली को रोशनी दें ।
आओ प्यार बाँटें, हर किसी को दोस्ती दें, ।
आओ मिटा दें, जुल्म की रात।
आओ सुना दें, प्यार की बात ।
आओ जो दुःखी है, उन दिलों को, हम खुशी दें ।
आओ फूल बनकर, इस चमन को ताजगी दें ।
आओ जिन्दगी........ **- जावेद अख्तर**

बढ़े चलो बढ़े चलो

हिमाद्री तुंग श्रृंग से
प्रबुद्ध शुद्ध भारती
स्वयंप्रभा समुज्जवला
स्वतंत्रता पुकारती
अमर्त्य वीर, पुत्र हो,
दृढ़ प्रतिस सोच लो

प्रशस्त पुष्य पंथ है
बढ़े चलो बढ़े चलो
असंख्य कीर्ति रश्मियाँ
विकीर्ण दिव्य दाह सी
सपूत मातृभूमि के
रस्मो न सूर साहसी
बढ़े चलो बढ़े चलो

करें राष्ट्र निर्माण

करें राष्ट्र निर्माण बनायें मिट्टी से अब सोना
शस्य श्यामलां सुजलां सुफलां धरती के हम वासी
फिर क्यों अपने महा देश की जनता रहे उपासी
अन्न-धान से भर दें अपने घर का कोना-कोना
मिट्टी से अब सोना.... करें राष्ट्र
गंगा जमुना यहाँ बहाती हैं अमृत की धारा ।
ब्रह्मपुत्र कृष्णा कावेरी जल है पय से प्यारा ।
पय की धारा से धरती का सूखा भाग भिगोना ।
मिट्टी से अब सोना.... करें राष्ट्र
सागर हमको देता अपने दूत जलद गम्भीरा ।
और हिमालय देता हमको शीतल मन्द समीरा ।
गर्वोन्नत मस्तक रख कहता कभी न विचलित होना ।
मिट्टी से अब सोना.... करें राष्ट्र
आज हमारे दिव्य देश में प्रजातन्त्र सुखदाई ।
प्रजातन्त्र का काम प्रजा की होती रहे भलाई ।
यहां एक ही घाट पियें जल सिंह और मृगछौना ।
मिट्टी से अब सोना.... करें राष्ट्र
स्वप्न स्वर्ग का धरती पर उतरेगा श्रम के द्वारा ।
आज पसीने की बूँदों में छिपा भविष्य हमारा ।
अब आराम हराम राष्ट्र से दोह एक पल खोना ।
मिट्टी से अब सोना.... करें राष्ट्र

-श्रीराम शर्मा 'प्रेम'

आओ जवान आओ

आओ जवान आओ, हमको जहाँ पुकारे
धरती पे हम बिछा दें, आकाश के सितारे
आओ जवान आओ.............
राहों की सब चट्टानें, मिल-जुल के तोड़ना है
मुस्कान की नदी को, दर-दर से जोड़ना है,
इंसान के लिए हो, इंसान के सहारे,
आओ जवान आओ.............
आओ कि ताकतों की, टकराहटें मिटा दें
वहशत को खत्म करके, इंसानियत सजा दें,
वतनों के बीच खेलें आपस के भाई-चारे,
आओ जवान आओ.............
जन-जन करे तरक्की, मन-मन दिये जला दें
पारस बने पसीना, ऐसा विकास ला दें,
मेहनत के मन्दिरों को, अपना चलन सँवारें,
आओ जवान आओ.............

- रमेश यादव

बदलेंगे तस्वीर

बदलेंगे तस्वीर गांव की हम एन.एस.एस. के नौजवान।
आओ राष्ट्र की सेवा करेंगे हम एन.एस.एस. के नौजवान॥
हरित क्रान्ति के अग्रदूत हैं,
हम धरती माँ के सपूत हैं
गौतम गाँधी के वंशज हैं
विश्व शान्ति की लिये मशाल। आओ........
अज्ञान अंधेरा भगायें
साक्षरता अभियान चलायें
पंचशील के बल पर लायें
नव युग, नया सवेरा, आओ.........
मतभेद को दूर करेंगे
केवल इन्सान बनेंगे
मेहनत से श्रृंगार करेंगे
नई सदी का हम, आओ.........
सह अस्तित्व हमारा नारा
है प्रेम हमारा बल
आज से ज्यादा सुन्दर होगा
आने वाला कल, आओ........

–डा. अजीत रायजादा

नवयुग का संदेश

राष्ट्रीय सेवा योजना नवयुग का संदेश है,
जगा गाँव और नगर जगे हैं, जागा सारा देश है॥
नई रोशनी नई दिशा है, सब कुछ नया–नया सा है।
धरती करती तिलक गगन का झोंका नई हवा का है॥
कोटि–कोटि बलिदानों से हमने आजादी पाई है।
यह स्वराज्य होगा सुराज हम आज सजग तरुणाई है॥
राष्ट्रीय सेवा योजना.....
प्रगति और परिवर्तन का एन.एस.एस. ने मंत्र दिया।
भारत माँ की सेवा का हम सबने यह संकल्प लिया॥
नई सृष्टि की संरचना को युवावर्ग ने जन्म दिया।
शिक्षा, सेहत और विकास का हमने पंथ प्रशस्त किया।
राष्ट्रीय सेवा योजना.....
गाँवों और नगर की दूरी कम करके बतलाएंगे।
गाँधी के सपनों को सचमुच सच करके दिखलाएंगे॥
धर्म जाति भाषा के झगड़े हमको छू ना पायेंगे।
भारत को सोने की चिड़िया फिर से हमी बनायेंगे॥
राष्ट्रीय सेवा योजना.....
सबका हित और सबका सुख, यह एन.एस.एस. का नारा है।
दुनिया का सिरमौर संदेश यह भारत हमको प्यारा है॥
इसी देश में जीना मरना इसका वंदन और नमन।
इसकी उन्नति और विकास ही होगा अब अपना जीवन॥
राष्ट्रीय सेवा योजना.....

सद्भावना गीत

गूंजे गगन में - महके पवन में
हर एक मन में - सद्भावना-2
मौसम की बाहें - दिशा और राहें
सब हमसे चाहें - सद्भावना-2
गूंजे गगन में............
घर की हिफाजत, पड़ौसी की चाहत
हर एक दिल को राहत - तभी तो मिले
हटे अब अंधेरा, ये कोहरा घनेरा
समुज्जवल सवेरा - तभी तो मिले,
जब हर हृदय में
पराजय - विजय में
समभाव लय में हो साधना। गूंजे गगन में.....
समय की रवानी, फतह की कहानी
धरा स्वाभिमानी - जवानी से है,
गरिमा का पानी, ये गौरव निशानी
सुखी जिन्दगानी - जवानी से है
मधुर बोल बोले - युवा मन की हो ले
मिलन द्वारा खेल - संभावना। गूंजे गगन में....
हम जिसने बख्शा, भविष्यत् का नक्शा
समय को सुरक्षा - उसी से मिली,
जरा कम न होती, कभी जो न सोती
दिये की ये जोती - उसी से मिली
नफरत थमेगी, मुहब्बत रमेगी
ये धरती बनेगी - दिव्यांगना। गूंजे गगन में....

- अशोक चक्रधर

जय जगत

जय जगत, जय जगत, जय जगत पुकारे जा
जय जगत, पुकारे जा, सिर अमन पे बारे जा
सबके हित के वास्ते अपना सुख बिसारे जा
...जय जगत.........

प्रेम की पुकार हो, सब का सबसे प्यार हो
जीत हो जहान की, क्यों किसी की हार हो
....जय जगत.........

न्याय का विधान हो, सबका हक समान हो
सबकी अपनी हो जमीं, सबका आसमान हो
....जय जगत.........

धर्मभेद छोड़ दो, जाति-पाँति तोड़ दो
मानवों की आपसी, अखण्ड प्रीत जोड़ दो
....जय जगत.........

शांति की हवा चले, सब कहें बले बले
दिन उगे स्नेह का रात रंज की ढले
....जय जगत.........

-दुखायल

भारत वर्ष महान.....

एक दुलारा देश हमारा, प्यारा हिन्दुस्तान,
दुनिया में बेजोड़ अनोखा, भारत वर्ष महान्
हमारा प्यारा हिन्दुस्तान, हमारा भारत वर्ष महान्
हमारा प्यारा हिन्दुस्तान...........

हिन्दू मुस्लिम सिक्ख, ईसाई, जैन, पारसी बौद्ध बहाई,
धर्म भले ही न्यारे-न्यारे, लेकिन सब हैं भाई सारे
सर्वधर्म समभाव हमारा, इस पर हमें गुमान,
हमारा प्यारा हिन्दुस्तान...........

इसके बलिदानी सेनानी, लोकतंत्र लाए लासानी,
आजादी की रक्षा करना, खूब जानती नई जवानी,
गाँधीजी की नई दिशा ने, सौंपी हमें कमान,
हमारा प्यारा हिन्दुस्तान...........

सहनशीलता भाईचारा, प्यार मोहब्बत पंथ हमारा,
सत्य अहिंसा अमन चैन से, हमने जगका रूप संवारा,
अणु तक से करवाया हमने, मानव का कल्याण,
हमारा प्यारा हिन्दुस्तान...........

शिव संकल्प नहीं छूटेंगे, उनसे नव पल्लव फूटेंगे,
इतिहासों का पाठ यही है, जो तोड़ेंगे वे टूटेंगे
लक्ष्य हमारा जय जगत्, नारा है निर्माण
हमारा प्यारा हिन्दुस्तान...........

-बाल कवि बैरागी

भारत सरकार द्वारा प्रायोजित एवं मध्य प्रदेश शासन के परिवर्तित रासेयो के विभिन्न स्तरीय शिविर

ईकाई/संस्था स्तर शिविर :-

वे छात्र-छात्रायें जिन्होंने उपरोक्त शिविर संस्था के 7 दिवसीय विशेष शिविर में सहभागिता की हो वह निम्नलिखित परिवर्तित शिविरों में सहभागिता चयन के लिये पात्र होंगे । (उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सेवार्थियों का नाम अनुशंशित किया जाना चाहिए)

1. जिला स्तर शिविर (प्रत्येक ईकाई का श्रेष्ठ छात्र/छात्रा) या प्राप्त आरक्षण अनुसार
2. विश्वविद्यालय स्तर प्रशिक्षण शिविर (प्रत्येक ईकाई का श्रेष्ठ छात्र/छात्रा) या प्राप्त आरक्षण अनुसार
3. राज्य स्तर नेतृत्व प्रशिक्षण शिविर (शासन से V.V. को प्राप्त आरक्षण अनुसार) (शिविर का आयोजन केवल म.प्र. में)
4. राष्ट्रीय एकात्मकता शिविर।
5. राष्ट्रीय साहसिक गतिविधि शिविर।
6. राष्ट्रीय विशाल (मेगा) शिविर।
7. राष्ट्रीय युवा समागम। (उपरोक्त क्रमांक 4,5,6,7 में चयन हेतु सांस्कृतिक, बौद्धिक एवं सामुदायिक कार्यों में श्रेष्ठ छात्र/छात्रा)
8. पूर्व गणतंत्र दिवस (परेड़, सांस्कृतिक, बौद्धिक एवं सामुदायिक कार्यों में श्रेष्ठ छात्र/छात्रा) (सहभागिता विश्व विद्यालय को प्राप्त आरक्षण अनुसार)
9. गणतंत्र दिवस (चयन पूर्व गणतंत्र दिवस शिविर परेड़ में प्रदर्शन के आधार पर में म.प्र. से 4 छात्र एवं 4 छात्रा)

इन्दिरा गाँधी एन.एस.एस. पुरस्कार

भारत सरकार ने राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों, कार्यक्रम अधिकारियों/ ईकाईयों एवं विश्वविद्यालय द्वारा की गई स्वैच्छिक सेवा को मान्यता प्रदान करने के लिये राष्ट्रीय सेवा योजना का स्वर्ण जयन्ती वर्ष 1993-94 में राष्ट्रीय स्तर पर यह पुरस्कार/सम्मान प्रारम्भ किया। इन पुरस्कारों का वर्तमान ब्यौरा इस प्रकार है –

क्र.	श्रेणी	पुरस्कारों की संख्या	पुरस्कार/सम्मान की राशि
1.	विश्वविद्यालय +2	01	दो लाख रु. नगद शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र
2.	उदयीमान वि वि	01	दो लाख रु. नगद शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र
3.	संस्था एवं इकाई	10	रु. 70,000/- नगद एवं प्रशस्ति पत्र
4.	कार्यक्रम अधिकारी	10	रु. 20,000/- नगद एवं प्रशस्ति पत्र
5.	रा.से.यो. स्वयंसेवक	30	रु. 15,000/- नगद एवं गोल्ड मेडल

मध्यप्रदेश राज्य स्तर राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार/प्रशस्ति

मध्यप्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों, कार्यक्रम अधिकारियों, जिला संगठकों, राष्ट्रीय सेवा योजना की ईकाईयों द्वारा तथा विश्वविद्यालय स्तर पर की गई स्वैच्छिक सेवा को मान्यता प्रदान करने के लिये मध्यप्रदेश राज्य स्तर राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) पुरस्कार/प्रशस्ति शुरू किए हैं ।

यह पुरस्कार वर्ष 2000-2001 से शुरू किए गए, प्रतिवर्ष पाँच श्रेणियों में दिये जाते हैं ।

इन पुरस्कारों का ब्यौरा इस प्रकार है –

क्र.	श्रेणी	पुरस्कारों की संख्या	पुरस्कार/सम्मान की राशि
1.	विश्वविद्यालय	01	सम्मान स्वरूप प्रशस्ति पत्र एवं शाल
2.	जिला संगठक	02	सम्मान स्वरूप प्रशस्ति पत्र एवं शाल
3.	संस्था ईकाई	12	सम्मान स्वरूप प्रशस्ति पत्र एवं शाल
4.	कार्यक्रम अधिकारी	12	रु. 12,000/- प्रत्येक
5.	रा.से.यो. स्वयंसेवक	18	रु. 6,000/- प्रत्येक

सभी पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं को राज्य स्तर के पुरस्कार समारोह में एक ट्राफी और प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाता है । (+2 के लिए विशेष आरक्षण लागू है)

पुरुस्कार हेतु स्वयं सेवकों की सिफारिश हेतु पत्र

1. राज्य
2. विश्वविद्यालय का नाम
3. सम्बद्ध कालेज का नाम
4. प्रधानाचार्य का नाम
5. छात्र/एन.एस.एस. स्वयंसेवक का नाम जिसकी जानकारी सिफारिश की जा रही है ।
6. लिंग : पुरुष/महिला
7. एन.एस.एस. स्वयं सेवकों के दौरान पूरे किए गए घंटे
8. एन.एस.एस. स्वयंसेवक की कार्य की अवधि
9. क्या एन.एस.एस. डायरी बनाई हुई है
10. कितने एन.एस.एस. विशेष शिविरों में भाग लिया (संख्या) प्रत्येक शिविर का ब्यौरा दें ।
11. राष्ट्रीय स्तर कार्यक्रम/प्रशिक्षण जिसमें भाग लिया, यदि कोई है (ब्यौरा दें)
12. रक्तदान/नेत्रदान/प्रतिज्ञा/वृक्षारोपण/पर्यावरण संरक्षण/स्वास्थ्य शिक्षा/समुदाय विकास कार्य इत्यादि (अलग कागज पर ब्यौरा दें)
13. अपनाए गए समुदाय में समाज आर्थिक स्थितियों को ऊपर उठाने में अन्य युवाओं को प्रेरित करने में नेतृत्व के गुण और अन्य पहल ।
14. क्या उसे कभी न्यायालय द्वारा दोषी ठहराया गया है अथवा उनके विरुद्ध कोई मामला लम्बित है ।
15. सामान्य प्रवृत्ति
16. कोई उत्कृष्ट प्रदर्शन (सम्पूर्ण तथ्यात्मक ब्यौरों सहित – अलग कागजात संलग्न करें) ।

राज्य/संघ शासित प्रदेश में सक्षम प्राधिकारी के हस्ताक्षर मोहर सहित

नोट : अधूरे आवेदन पत्र मान्य नहीं किये जायेंगे और इस बारे में कोई पत्राचार नहीं किया जायेगा । चयन समिति का निर्णय अंतिम एवं मान्य होगा ।

रासेयो खेलों की जानकारी

राम-रावण युद्ध

दो दल आमने सामने 5 फीट दूरी पर खड़े होते हैं, खेल निर्देशक दोनों दल के बीच खड़ा होता है । एक दल 'राम दल' और दूसरा 'रावण दल' कहलाता है, दोनों दल के पीछे 20 से 40 फीट की दूरी पर लकीरें डाली जाती हैं ।

खेल निर्देशक दोनों दल में से किसी एक दल का नाम पुकारता है, किन्तु उसके पहले अक्षर को बहुत धीरे बोलता है। जैसे रा..आ..आ..म, ताकि कुछ रहस्य रोमांच पैदा हो जावे । जैसे ही रा... आ... म बोला जाता है बुक में वह आउट होता है और वह बाहर जाकर बैठ जाता है ।

इसी प्रकार रा....व....ण कहने पर रावण दल का खिलाड़ी 'राम दल के खिलाड़ी' को पकड़ने की कोशिश करते हैं । यदि राम दल के खिलाड़ी रावण दल की सीमा रेखा से बाहर जाते हों तो रावण दल सुरक्षित हो जाता है । रावण दल की सीमा रेखा में पहुँचने पर राम दल के खिलाड़ी आउट हो जाते हैं ।

निर्धारित समय बाद आउट हुए खिलाड़ियों की संख्या गिनकर परिणाम घोषित किया जाता है ।

रूमाल झपट्टा

खिलाड़ियों को दो दलों में बाँटा जाता है (सामान्यतः 10-10) खिलाड़ियों को आमने-सामने 40 से 80 फीट की दूरी पर खड़ा किया जाता है । हर खिलाड़ी को एक नंबर दिया जाता है (दोनों दलों की संख्या समान होनी चाहिए) दोनों दलों के बीचों-बीच 2 फीट व्यास का एक गोला बनाया जाता है ।

निर्देशक एक सिरे पर दोनों दलों के बीच खड़ा होकर कोई भी नंबर (1 से 10 तक) जोर से बोलता है, जैसे नं. 7 वैसे ही दोनों तरफ के 7 नम्बर के खलाड़ी 2 फीट गोले के पास आ जाते हैं, जहाँ रूमाल रखा होता है । जो

खिलाड़ी रूमाल उठाकर अपनी पंक्ति में वापिस लौटता है तो वह एक अंक अर्जित कर लेता है और पराजित खिलाड़ी उसके पीछे आकर खड़ा हो जाता है ।

यदि रूमाल उठाकर वापस भागने वाले खिलाड़ी को विरोधी खिलाड़ी रास्ते में ही छू देता है तो वह एक अंक जीत लेता है, और हारने वाला खिलाड़ी उसके पीछे आकर खड़ा होता है । निर्देशक फिर दूसरा नंबर पुकारता है । (खेल तब तक जारी रहता है जब तक कि कोई भी एक दल के सदस्य पूरी आउट नहीं हो जाते हैं ।)

कितने भाई कितने

सभी खिलाड़ी गोलाकार खड़े हो जाते हैं । निर्देशक गोले के मध्य में रहते हैं । सीटी बजते ही खिलाड़ी गोले में धीरे-धीरे एक दूसरे के पीछे दौड़ते हैं । निर्देशक कहते हैं कि भाई कितने । तब खिलाड़ी कहते हैं आप बोले जितने। यह क्रम दो तीन बार जाता है । निर्देशक फिर संख्या की घोषणा करता है । जैसे – 5 तब खिलाड़ी 5-5 के दल बना लेते हैं। जो बच जाता है, वह आउट हो जाता है । शेष दो खिलाड़ी के रहने पर वे विजयी घोषित किये जाते हैं ।

ऐसे कैसे

इसमें खिलाड़ी गोलाकार खड़े किये जाते हैं । 15 से 20 खिलाड़ी एक गोले में खेल सकते हैं । निर्णायक ऐसे कहने के साथ कुछ संकेत करेगा, सभी खिलाड़ियों को वैसा ही संकेत करना पड़ता है । निर्णायक के कैसे कहने पर खिलाड़ियों को कुछ संकेत नहीं करना होगा यानि उन्हें पूर्व की भांति रहना होगा। यदि कैसे कहने पर वह संकेत करता है तो वह आउट माना जावेगा और वह निर्णायक की सहायता करने में मदद करेगा । शेष अंतिम खिलाड़ी को विजेता घोषित किया जाता है ।

प्रेरक उदबोधन

1. देश की दौलत-नौजवान
   देश की ताकत-नौजवान
   देश की इज्जत-नौजवान
   नौजवान-नौजवान-नौजवान
2. कश्मीर हो या कन्या कुमारी । भारत माता एक हमारी ।।
3. मानव-मानव एक समान । जाँत-पाँत का मिटे निशान ।
4. सूखी धरती करे पुकार । वृक्ष लगाकर करो श्रृंगार ।।
5. शिक्षा से अन्याय मिटायें । भाई-चारा खूब बढ़ायें ।।
6. पढ़ना-लिखना है आसान, पढ़-लिखकर सब बने महान ।।
7. अन्धकार को क्यों धिक्कारें । अच्छा हो एक दीप जलायें।।
8. जागे देश की क्या पहचान । पढ़ा लिखा मजदूर किसान ।।
9. पढ़ेंगे पढ़ायेंगे जीवन सुखी बनायेंगे ।
10. पढ़ लो बहनों, पढ़ लो भाई । पढ़ना लिखना है सुखदाई ।।
11. प्रकृति के दुश्मन तीन पाउच, पन्नी, पॉलीथीन ।।
12. काम न चलता बातों से । काम करें दोनों हाथों से ।।

प्रदेश एवं वि वि रासेयो के प्रमुख दूरभाष नं.

क्र	पद	कार्या.	निवास
1.	राज्य सम्पर्क अधिकारी State Liaison Officer		9424979199
2.	रा.से.यो. क्षेत्रीय केन्द्र भोपाल N.S.S. Regional Center	2464817	9425166093
3.	राज्य स्तर सूचयांकिक प्रशिक्षण संस्थान State Level Empaneled Training Institution	2491923 nsseti.oump@gmail.com	9826329683 9009959679
4.	कार्यक्रम समन्वयक रा.से.यो. (प्रकोष्ठ) N.S.S. Programme Coordinator (call)	2491723 nssco.bubpl@gmail.com	9826329683
5.	मुक्त इकाई सम्पूर्ण वि.वि. परिक्षेत्र		9425185505
6.	संबंधित संस्था के प्राचार्य/प्रमुख		
7.	जिला संगठक........................		
8.	कार्यक्रम अधिकारी.................		
9.			
10.			

विशेष अनुभव/नोट्स

....
....
....
....
....
....
....
....
....
....
....
....
....
....
....
....
....
....
....
....
....

वार्षिक मूल्यांकन

1. सत्र में किये गये कुल कार्य घण्टों की संख्या ....

निर्धारित कार्यक्रम...............................

....

योग ....

पूर्व सत्र में किया कार्य ....

महायोग.................................

2. उपस्थिति...
3. आचरण..
4. अन्य आवश्यक टिप्पणी...
5. वर्ष में कुल विशेष शिविर..
6. वर्ष में कुल अन्य शिविर...
7. प्रमाण पत्र हेतु संस्तुति...
8. अन्य आवश्यक टिप्पणी...

ह. कार्यक्रम अधिकारी **ह. वाह्यपरीक्षक** **ह. प्राचार्य**

बरकतउल्ला वि.वि. की रासेयो की राज्य प्रतिभाऐं
म.प्र. राज्य स्तर राष्ट्रीय सेवा योजना सम्मान प्राप्तकर्ता

क्र.	सत्र	श्रेणी	नाम प्राप्तकर्ता	संस्था
1.	1995–96	स्वयंसेवक	श्री विनय त्रिपाठी	शास.हमी.महा. भोपाल
2.	1996–97	स्वयंसेवक	श्री राहुल सिंह परिहार	शास.हमी.महा. भोपाल
मध्यप्रदेश राज्य स्तर राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार/ प्रशस्ति प्राप्तकर्ता				
3.	2000–01	समन्वयक	प्रो. आशुतोषदुबे	बरकतउल्ला वि.वि. भोपाल
4.	2000–01	संस्था/का.अधि.	डॉ. श्रीमती डी.पी. सिंह डॉ. भावना श्रीवास्तव	शास.म.ल.बा.क.महा. भोपाल
5.	2000–01	स्वयंसेवक	श्री नीरज जैन	हेनीमन होम्यो. महा. भोपाल
6.	2001–02	का. अधि.	डॉ. रमा सिंह	शास.म.ल.बा.क.महा. भोपाल
7.	2001–02	स्वयंसेवक	श्री अजय सिंह परिहार	शास.हमी.महा. भोपाल
8.	2002–03	जिला संगठक	श्री महेन्द्र गिरी	ज.हा.शा.महा. बैतूल
9.	2002–03	संस्था/का.अधि.	श्रीमती साधना बनर्जी श्रीमती अर्चना अली	शा.हमी.क.उ.मा.वि. भोपाल
10.	2002–03	स्वयंसेवक	कु. दुर्गा सक्सेना	शा.गीतांजलि क.महा.भोपाल
11.	2002–03	स्वयंसेवक	कु. सबीना शेख	शा.सरोजिनी क.महा. भोपाल
12.	2002–03	स्वयंसेवक	श्री बृजेश प्रजापति	ज.हा.शा.महा. बैतूल
13.	2003–04	कार्य.अधि./सं.	डॉ. सुधा लाहौटी	शा.क.महा. सीहोर
14.	2003–04	स्वयंसेवक	कु. शिखा स्वामी	शा.गृह.वि.क.महा.हो.बाद
15.	2003–04	स्वयंसेवक	श्री इबरार कुरैशी	ज.हा.शा.महा. बैतूल
16.	2004–05	संस्था/इकाई	डॉ. नयनतारा पाठक	शा.गीतांजली.क.महा. भोपाल
17.	2005–06	संस्था/का.अ.	श्री बाबूराव पवार/प्राचार्य	नेहरू उ.मा.वि.खेड़ी बैतूल
18.	2005–06	स्वयंसेवक	श्री खामदेव कनाठे	शा.कृषि महा. सीहोर
19.	2006–07	वि.वि.(समन्वयक)	डॉ. महेन्द्र गिरी	बरकतउल्ला वि.वि.भोपाल
20.	2006–07	का.अधि./संस्था	डॉ. श्रीजी सेठ/प्राचार्य	श्री सत्यसाई म.महा.भोपाल
21.	2006–07	स्वयंसेवक	श्री मंशाराम चौहान	शास.हमीदिया महा. भोपाल

22.	2006–07	स्वयंसेवक	कु. आयुषी कारा	श्री सत्यसाई म.महा.भोपाल
23.	2006–07	स्वयंसेवक	श्री अंकुर पारे	कैरियर महा. भोपाल
24.	2006–07	स्वयंसेवक	कु. वन्दना मेवाड़ा	शास.क.नेहरू उ.मा.वि. भोपाल
25.	2007–08	स्वयंसेवक	श्री शोभित जैन	वीणावादिनी आयु.महा.भोपाल
26.	2007–08	स्वयंसेवक	श्री राकेश कुमार वर्मा	शास.पी.जी.महा. सीहोर
27.	2008–09	स्वयंसेवक	श्री राजकुमार वर्मा	शास.महा. टिमरनी, हरदा
28.	2008–09	स्वयंसेवक	कु. कृष्णा गुर्जर	राजीवगांधी महा. भोपाल
29.	2009–10	का.अधि./सं.	डॉ. आर.नरवरिया/प्राचार्य	शास.पी.जी.महा. सीहोर
30.	2009–10	स्वयंसेवक	कु. रीना जाटव	शास.म.ल.बा.क.महा. भोपाल
31.	2010–11	का.अ./संस्था	श्री संतोष गौतम/प्राचार्य	शास.बा.उ.महा. बरेली,रायसेन
32.	2010–11	स्वयंसेवक	कु. ममता राणा	शास.मोतीलाल महा. भोपाल
33.	2011–12	का.अधि./सं.	श्री डी.बी. सिंह/प्राचार्य	बी.एस.एस.एस. भोपाल
34.	2011–12	स्वयंसेवक	कु. प्रीति सेहरावत	सं.हिरदाराम क.महा. भोपाल
35.	2011–12	स्वयंसेवक	कु. अंकिता जाटव	शास.हमीदिया क.उ.महा.भोपाल
36.	2012–13	वि.वि./समन्वयक	डॉ. अनंतकुमार सक्सेना	बरकतउल्ला वि.वि. भोपाल
37.	2012–13	का.अधि./सं.	श्री दुर्गेशनंदन व्यास/प्रा.	शा.उ.म.वि. टिमरनी, हरदा
38.	2012–13	स्वयंसेवक	कु. ऋचा त्रिवेदी	संत हिरदाराम क.महा.भोपाल
39.	2012–13	स्वयंसेवक	श्री परमल विश्नोई	बी.एस.एस.एस. भोपाल
40.	2012–13	स्वयंसेवक	श्री हरीश गोहिया	शास.महा. टिमरनी, हरदा
41.	2012–13	स्वयंसेवक	कु. पूजा सिंह	श्री सत्यसाईं क.महा. भोपाल
42.	2012–13	स्वयंसेवक	श्री राहुल पवार	शास.उ.उ.मा.वि.नरसिंहगढ़